# बेसहारा 'कुत्तों' के लिए बजट लाएगा आईआईएम, जीवाश्रय के नाम से कमेटी भी बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

## जीवाश्रय नाम से बनाई गई कमेटी में स्टाफ संग मैनेजमेंट छात्र भी

आईआईएम अब बेसहारा कुत्तों की मदद करेगा। आईआईएम रायपुर में इसके लिए जीवाश्रय नाम से कमेटी बनाई गई है। इसके अंतर्गत ना केवल चोटिल कुत्तों का इलाज किया जा रहा है, बल्कि उन्हें दवाई सहित खाना भी प्रदान किया जा रहा है। प्राध्यापकों और छात्रों की मदद से बनाई गई इस कमेटी को लगभग 4 माह हो चुके हैं और अब आईआईएम के अंदरूनी बजट में भी इन बेसहारा कुत्तों के लिए बजट लाने प्रावधान किया जा रहा है। ना सिर्फ कुत्ते, बल्कि बिल्लियों की देखरेख भी इस कमेटी के अंतर्गत करने की तैयारी है। इनके लिए अस्थायी शेल्टर बनाया गया है। जल्द ही स्थायी शेल्टर बनाने की योजना है। इंटर्नशिप या छुट्टियों में जाने के पहले छात्र इनके लिए भोजन और पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके लिए वर्तमान में कुछ राशि आईआईएम से प्राप्त हो रही है तो कुछ डोनेशन से इकट्ठे हो रहे हैं। जानवरों की जांच भी डॉक्टर्स से कराई जाती है। उनकी सलाह पर ही दवाई देने के साथ इंफेक्शन संबंधित मलहम कुत्तों को छात्र लगाते हैं।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

### पढ़ाई के बाद रात में भोजन

दरअसल आईआईएम रायपुर का कैंपस आउटर में है। शहरवासी कुत्तों के बच्चों से निजात पाने उन्हें आउटर में छोड़कर आ जाते हैं। कुत्तों के बच्चे भूखे कैंपस या उसके आस-पास भटकते रहते थे। इनमें कई जख्मी भी होते थे। कैंपस के छात्र उन्हें खाना-पानी दे दिया करते थे तथा कई बार जख्म की मरहम-पट्टी भी किया करते थे। छात्रों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य को देखते हुए प्राध्यापकों ने इसे व्यवस्थित रूप में करने का सुझाव दिया। दिन के वक्त स्टाफ इन्हें भोजन उपलब्ध कराता है, जबकि रात्रि में कक्षाएं खत्म होने के बाद छात्र इनकी सेवा करते हैं।

### कंगाए से आवेदन

सदस्यों का कहना है कि अब तक कुत्तों के ही मामले सामने आए हैं, लेकिन यदि बिल्लियों या अन्य जानवर के मामले सामने आते हैं तो वे उनकी भी मदद करेंगे। जब कमेटी का गठन हुआ तक छात्रों से वॉलंटियर बनने आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए थोक में छात्रों के आवेदन मिले। कमेटी में 8 सदस्य तथा 30 वॉलंटियर हैं। प्रो. रश्मि शुक्ला को इसका प्रभार दिया गया। सदस्यों में आयुषी सिंह, श्रुति पारख, करन रवाणी, तिशा लॉरेंस, राहुल कुमार, निरंजना मंगलानंदन, श्रेया यादव और सुनंदा बरसिया शामिल हैं।

**Haribhoomi, 23rd March, 2023, P. 11**